साइप्रस गोपनीयता

संदर्भ: आईसीआईजे और 68 मीडिया साझेदारों ने उस विशाल वित्तीय नेटवर्क को उजागर किया है, जो पुतिन शासन को बढ़ावा दे रहा है और जिस कारण पुतिन शासन पड़ोसियों पर हावी हो रहा है साथ ही पश्चिम को कमजोर कर रहा है।

- **दायरा और साझेदारी:**
  - इस जांच में अंग्रेजी और ग्रीक दोनों में प्रस्तुत किए गए 3.6 मिलियन दस्तावेजों की गहन जांच शामिल है।
  - इसके लिए इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इंवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (ICIJ) के साथ सहयोग स्थापित किया गया है, जिसमें 55 देशों के 60 से अधिक मीडिया घरानों के 270 से अधिक पत्रकार शामिल हैं।
- **साइप्रस में भारतीय भागीदारी:**
  - **गोल्डन पासपोर्ट योजना:** गोल्डन पासपोर्ट योजना के माध्यम से साइप्रस की नागरिकता प्राप्त करने वाले भारतीय निवेशकों की भागीदारी का पता चलता है।
  - यह साइप्रस में अनुकूल माहौल का लाभ उठाने के लिए भारतीय निवेशकों द्वारा स्थापित संस्थाओं के बारे में प्रासंगिक जानकारी उजागर करता है।
- **साइप्रस में अपतटीय संस्थाओं की स्थापना:**
  - **वैधता और कर समझौते:** यह जांच साइप्रस में अपतटीय कंपनियों के गठन के कानूनी पहलुओं पर प्रकाश डालती है।
  - यह भारत और साइप्रस के बीच दोहरे कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के अस्तित्व पर जोर देता है, जो कर लाभ के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करता है।
- **साइप्रस के साथ भारत की कर संधि यात्रा:**
  - **2013 से पहले:** जांच में उस कर संधि का विवरण दिया गया है जो भारत और साइप्रस के निवेशकों के लिए पूंजीगत लाभ कर से छूट देती है।
  - **2013 से:** इसमें साइप्रस को अधिसूचित क्षेत्राधिकार क्षेत्र (एनजेए) के रूप में वर्गीकृत करने के परिणामों पर चर्चा की गई है, जिससे विदहोल्डिंग टैक्स में वृद्धि हुई है और भारतीय हस्तांतरण मूल्य निर्धारण नियमों का पालन किया गया है।
  - **2016 से:**
    - यह जांच संशोधित डीटीएए का विश्लेषण करती है, जिसमें पूर्वव्यापी प्रभाव से एनजेए स्थिति को रद्द करना भी शामिल है।
    - यह 1 अप्रैल, 2017 से पहले किए गए निवेशों के लिए ग्रैंडफादरिंग (grandfathering) क्लॉज के साथ पूंजीगत लाभ के लिए स्रोत-आधारित कराधान का परिचय देता है।
- **साइप्रस द्वारा प्रदत्त कर लाभ:**
  - **अपतटीय कंपनी कराधान:**
    - साइप्रस से प्रबंधित और नियंत्रित अपतटीय कंपनियों और शाखाओं के लिए अनुकूल कर दरों पर विवरण प्रदान किया गया है।
    - जांच में कई प्रकार के छूटों पर प्रकाश डाला गया है, जैसे लाभांश पर कोई रोक नहीं और शेयर हस्तांतरण पर कोई पूंजीगत लाभ कर नहीं।
- **भारत-साइप्रस डीटीएए कार्यप्रणाली:**
  - **कर नियोजन क्षेत्राधिकार:**
    - जांच से पता चलता है कि कैसे भारत-साइप्रस डीटीएए कर नियोजन के लिए अधिकार क्षेत्र के रूप में साइप्रस के उपयोग की सुविधा प्रदान करता है।
    - इसमें भारतीय निवेश के लिए अपतटीय संस्थाओं की स्थापना के लिए मॉरीशस के विकल्प के रूप में साइप्रस की ओर बढ़ती प्राथमिकता पर चर्चा की गई है।
  - **साइप्रस में अपतटीय ट्रस्ट:**
    - जांच में साइप्रस कानून के तहत अपतटीय ट्रस्टों का वर्णन किया गया है, जिसमें संपत्ति और आय साइप्रस के बाहर होने जैसी विशेषताओं पर जोर दिया गया है।
    - यह अपतटीय ट्रस्टों के लिए छूट और गोपनीयता प्रावधानों पर चर्चा करता है।
- **संधि के लाभों से इन्कार:** जांच में विस्तार से बताया गया है कि कैसे भारतीय कर विभाग उन मामलों में कर संधि के लाभों से इनकार करते हुए संस्थाओं से पूछताछ करने का अधिकार बरकरार रखता है जहां कंपनियों को केवल कर से बचने के उद्देश्यों के लिए शामिल किया गया है।

वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023

संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023 के अनुसार, दुनिया भर में तपेदिक के कुल मामलों में से 27% भारत में विद्यमान हैं।

- **घटना प्रतिशत:** विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023 से पता चला है कि कुल वैश्विक तपेदिक मामलों में से 27% मामले भारत में हैं।
- **राष्ट्रीय उन्मूलन लक्ष्य**: भारत का लक्ष्य वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले वर्ष 2025 तक तपेदिक को खत्म करना है, इसके लिए प्रति लाख जनसंख्या पर 44 से अधिक नए टीबी के मामले नहीं होने चाहिए।
- **मृत्यु दर रुझान**: भारत में टीबी के कारण मृत्यु दर में अचानक गिरावट देखी गई, जिसका श्रेय गणना के लिए डब्ल्यूएचओ द्वारा भारत के नमूना पंजीकरण प्रणाली डेटासेट को स्वीकार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप टीबी के कारण मृत्यु वर्ष 2021 में 4.94 लाख से घटकर 2022 में 3.31 लाख हो गई।
- **वैश्विक मृत्यु दर में योगदान:** वैश्विक टीबी मृत्यु दर में भारत का योगदान पिछले वर्षों के 36% से घटकर 2022 में 26% हो गया है, जो कि वैश्विक टीबी रिपोर्ट द्वारा स्वीकार किया गया एक उल्लेखनीय बदलाव दर्शाता है।
- **भारत में सकारात्मक रुझान - वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2023:**
  - **टीबी मामलों की रिपोर्टिंग**: भारत ने 2022 में 24.2 लाख मामलों के साथ महामारी-पूर्व के स्तर को पार करते हुए टीबी मामलों की रिपोर्टिंग में वृद्धि देखी, जो एक सकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाता है।
  - **उपचार कवरेज में सुधार:** भारत में टीबी के लिए उपचार कवरेज बढ़कर 80% हो गया, जो एक सकारात्मक प्रगति है, और भारत 80% से अधिक उपचार कवरेज हासिल करने वाले विश्व स्तर पर केवल चार देशों में से एक था।
- **संशोधित मृत्यु दर डेटा - WHO की स्वीकृति:**

- **डब्ल्यूएचओ द्वारा डेटा स्वीकृति:** डब्ल्यूएचओ ने नमूना पंजीकरण प्रणाली डेटासेट को शामिल करते हुए भारत के संशोधित मृत्यु अनुमान को स्वीकार किया, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु दर कम हुई और भारत से वैश्विक योगदान में कमी आई।
- **सरकार की डेटा प्रस्तुति**: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय डब्ल्यूएचओ की तकनीकी टीमों के साथ व्यापक सहयोग में लगा हुआ है, टीबी मृत्यु दर के आंकड़ों को अंतिम रूप देने के लिए नए साक्ष्य और देश में गणितीय मॉडलिंग प्रस्तुत कर रहा है।

➢ **भारत में टीबी परिदृश्य:**

- **भारत में टीबी की घटनाएं:** वर्ष 2022 में भारत में लगभग 28.2 लाख लोग टीबी से पीड़ित हुए, यानी प्रत्येक 11 सेकंड में एक व्यक्ति को टीबी हो रही है।
- **वैश्विक योगदान:** वैश्विक टीबी बोझ में भारत का योगदान 27% है, जो पिछले वर्ष के 28% से मामूली कमी है।
- **महामारी के बीच रिपोर्टिंग**: महामारी के दौरान रिपोर्टिंग में वैश्विक गिरावट के बावजूद, भारत ने 2022 में 24.2 लाख मामले दर्ज किए, जो 2019 में महामारी-पूर्व स्तर के बराबर है।

➢ **राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन रणनीतियाँ और उपलब्धियाँ:**

- **राष्ट्रीय टीबी प्रसार सर्वेक्षण:** भारत 2019 से राष्ट्रीय टीबी प्रसार सर्वेक्षण पूरा करने वाला एकमात्र देश है, जो टीबी की घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करता है।
- **उपचार कवरेज उपलब्धि:** भारत ने टीबी उपचार कवरेज में 19% की वृद्धि हासिल की, जो 80% से अधिक है, जिससे यह विश्व स्तर पर चार उच्च दबाव वाले देशों में से एक बन गया है।
- **सरकारी पहल**: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सक्रिय मामले की खोज, आणविक परीक्षण, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र, निजी क्षेत्र की भागीदारी और नि-क्षय मित्र जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से पोषण संबंधी सहायता सहित विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला है।

➢ **राष्ट्रीय उन्मूलन लक्ष्य की दिशा में प्रगति:**

- **राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2017-2025:**
  - भारत की राष्ट्रीय रणनीतिक योजना 2025 के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है, जिसमें प्रति लाख जनसंख्या पर 44 से अधिक नए टीबी मामले नहीं होने और मृत्यु दर को कम करके प्रति लाख जनसंख्या पर तीन मौतें करने का लक्ष्य रखा गया है।
- **लक्ष्य हासिल करने में चुनौतियाँ:** प्रगति के बावजूद, 2023 की रिपोर्ट चुनौतियों का सामना करती है, जिसमें प्रति लाख जनसंख्या पर 199 मामलों में टीबी की घटना देखी गई है, जो 2023 तक प्रति लाख 77 मामलों के परिकल्पित लक्ष्य से भटक रही है।

➢ **उपचार की सफलता दर:** विश्व स्तर पर, उपचार की सफलता दर में सुधार हुआ है, दवा-संवेदनशील टीबी के लिए 88% और एमडीआर/आरआर-टीबी के लिए 63% तक पहुंच गई

जैविक विविधता पर कन्वेंशन की जिनेवा बैठक (सीबीडी)

संदर्भ: जैविक विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी) के तहत आनुवंशिक संसाधनों से लाभ के उचित बंटवारे के संबंध में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विभिन्न देशों के प्रतिनिधि जिनेवा में मिलते हैं।

➢ **सीबीडी अनुच्छेद 8 (जे) वार्ता**: प्रतिनिधि आनुवंशिक संसाधनों से लाभ के उचित बंटवारे के लिए जिनेवा में अनुच्छेद 8 (जे) से संबंधित शर्तों पर चर्चा करते हैं।

➢ **तदर्थ कार्य समूह:** 12वीं बैठक कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता फ्रेमवर्क के अनुरूप एक नई कार्य योजना पर केंद्रित है।

➢ **पहचाने गए संकेतक:** भाषाई विविधता और पारंपरिक ज्ञान के प्रति सम्मान सहित चार संकेतकों पर चर्चा की गई।

➢ **डिजिटल अनुक्रम सूचना से लाभ-साझाकरण**: डिजिटल अनुक्रम सूचना पर पहली बैठक सीबीडी नियमों के निहितार्थों का पता लगाती है।

➢ **16 मुद्दों पर सहमति:** कार्य समूह योगदानकर्ताओं, निधि संवितरण और शासन सहित 16 मुद्दों पर सहमति चाहता है।

➢ **पूर्ववर्ती स्वदेशी और स्थानीय सामुदायिक बैठकें:** यहाँ स्वदेशी समूह मिलते हैं, जिसमें मानवाधिकार-आधारित जैव विविधता ढांचे पर जोर दिया जाता है।

➢ **मुख्य चर्चा क्षेत्र:** विषयों में पारंपरिक ज्ञान प्रसारण में भाषा की भूमिका और स्वदेशी पारंपरिक क्षेत्रों के वैकल्पिक उपयोग शामिल हैं।

➢ **जैविक विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी)**

- जैविक विविधता पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीबीडी) 1992 में रियो डी जनेरियो में पृथ्वी शिखर सम्मेलन में स्थापित एक बहुपक्षीय संधि है।
- अनौपचारिक रूप से जैव विविधता सम्मेलन के रूप में जाना जाने वाला यह सतत विकास पहल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **यूएनईपी के तहत:** सीबीडी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के तहत संचालित होता है।
- **यूएनसीबीडी तथ्य:**
  - 196 देश सीबीडी पर हस्ताक्षरकर्ता हैं।
  - भारत ने 1994 में सीबीडी की पुष्टि की।
  - सीबीडी प्रावधानों को लागू करने के लिए जैविक विविधता अधिनियम, 2002 बनाया गया था।
  - राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) की स्थापना 2003 में अधिनियम को लागू करने के लिए एक वैधानिक निकाय के रूप में की गई थी।

➢ **कानूनी बंधन और शासन:**

- सीबीडी हस्ताक्षरकर्ता देशों पर कानूनी रूप से बाध्यकारी है।
- पार्टियों का सम्मेलन (सीओपी) सीबीडी के शासी निकाय के रूप में कार्य करता है, जिसमें अनुसमर्थित सरकारें शामिल हैं।

➢ **सचिवालय**: सीबीडी सचिवालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में स्थित है।

➢ **गैर-भागीदार सदस्य देश**: केवल दो संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश, संयुक्त राज्य अमेरिका और वेटिकन, सीबीडी के पक्ष नहीं हैं।

➢ **1992 पृथ्वी शिखर सम्मेलन समझौते:**

- 1992 के पृथ्वी शिखर सम्मेलन में, दो बाध्यकारी समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए: यूएनसीबीडी और जलवायु परिवर्तन पर कन्वेंशन।
- शुरुआत में 150 से अधिक देशों ने दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर किए, तब से 175 से अधिक देशों ने समझौते की पुष्टि की है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 November, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

साइरटोडैक्टाइलस वैरेंगटेन्सिस

हाल ही में, एक नई खोजी गई प्रजाति, 'साइरटोडैक्टाइलस वैरेंगटेंसिस' का नाम मिजोरम के उस शहर के नाम पर रखा गया जहां इसकी खोज की गई थी।

साइरटोडैक्टाइलस वैरेंगटेन्सिस (Cyrtodactylus Vairengtensis):

- यह जेकॉस के साइरटोडैक्टाइलस परिवार से संबंधित है।
- इसका नाम मिजोरम के वैरेंगटे शहर के नाम पर रखा गया था, जहां इसकी खोज की गई थी।
- इसे आमतौर पर 'वैरेंगटे बेंट-टू एड गेको' कहा जाता है।
- यह मिजोरम के कोलासिब जिले के वैरेंगटे में मानव निवास के पास पाया जाता है।

भौतिक विशेषताएं:

- यह 57.6 मिमी और 73.6 मिमी के बीच वयस्क माप के साथ मध्यम आकार की छिपकली है।
- नरों में 9-11 ऊरु छिद्र होते हैं, जबकि मादाओं में 5-9 ऊरु छिद्र होते हैं जो उनके पिछले पैरों के नीचे स्थित होते हैं।
- ये ऊरु छिद्र लिपिड और प्रोटीन के मिश्रण का स्राव करते हैं, जो छिपकलियों के बीच संभोग आकर्षण और क्षेत्रीय अंकन में काम आते हैं।

वाल्विस खाड़ी

हाल ही में, पश्चिम अफ्रीका और अटलांटिक में भारतीय नौसेना की रणनीतिक मिशन-आधारित तैनाती के हिस्से के रूप में, आईएनएस सुमेधा ने वाल्विस खाड़ी में एक महत्वपूर्ण बंदरगाह कॉल किया।

वाल्विस बे के बारे में:

- वाल्विस खाड़ी पश्चिम-मध्य नामीबिया में अटलांटिक तट पर स्थित है, जो नामीब रेगिस्तान और कुइसेब नदी के मुहाने से सटी हुई है।
- इसकी खोज 1487 में पुर्तगाली खोजकर्ता बार्टोलोमू डायस द्वारा की गई थी; इसका नाम "वाल्विस" रखा गया, जिसका अफ्रीकी भाषा में अर्थ "व्हेल" होता है।
- यह भूमि से घिरे अफ्रीकी देशों और वैश्विक बाजार के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने वाले एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बंदरगाह के रूप में कार्य करता है।
- यहाँ कार्गो ट्रांसशिपमेंट के अलावा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वाणिज्यिक मछली पकड़ने का उद्योग भी फल-फूल रहा है।

आईएनएस सुमेधा:

- यह स्वदेश निर्मित सरयू श्रेणी के नौसेना अपतटीय गश्ती जहाज (एनओपीवी) का तीसरा जहाज है।
- इसका निर्माण गोवा शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया था, जिसे 7 मार्च 2014 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।

एस्फिक्सिया

हाल ही में, सूरत के एक टेक्सटाइल फैक्ट्री में एक सेप्टिक चैंबर की सफाई करते समय चार प्रवासी मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई।

एस्फिक्सिया (Asphyxia) के बारे में:

- एस्फिक्सिया या एस्फिक्सिएशन की समस्या ऑक्सीजन की कमी के कारण होती है, जो अक्सर असामान्य श्वास के कारण होती है।
- सामान्य हाइपोक्सिया से ऊतकों और अंगों में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- यह महत्वपूर्ण अंगों और ऊतकों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचने के कारण कोमा या मृत्यु का कारण बनता है।

हाइपोक्सिया बनाम एनोक्सिया:

- **हाइपोक्सिया:** ऑक्सीजन का स्तर खतरनाक रूप से निम्न स्तर (पानी के प्रति लीटर में 2-3 मिलीग्राम से कम ऑक्सीजन) तक गिर जाता है।
- **एनोक्सिया:** ऑक्सीजन का स्तर शून्य तक पहुंच जाता है, जिसके परिणामस्वरूप शरीर या मस्तिष्क में ऑक्सीजन की आपूर्ति पूरी तरह से समाप्त हो जाती है।

परिणाम: ऑक्सीजन की कमी की अवधि और गंभीरता के आधार पर, हाइपोक्सिया और एनोक्सिया दोनों के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जिनमें ऊतक क्षति, चेतना की हानि और अंततः मृत्यु शामिल है।

रायचौधरी समीकरण

रायचौधरी समीकरण (Raychaudhuri Equation) के बारे में:

- अमल कुमार रायचौधरी ने 1955 में रायचौधरी समीकरण तैयार किया, जिसने सामान्य सापेक्षता की समझ में महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- इस समीकरण ने घुमावदार स्पेसटाइम के भीतर पदार्थ के व्यवहार को संबोधित किया, यह समझाते हुए कि कैसे गुरुत्वाकर्षण पदार्थ को विलक्षणताओं की ओर अभिसरण करता है, जो ब्रह्मांडीय घटनाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।
- रायचौधरी समीकरण ने घुमावदार स्पेसटाइम में पदार्थ द्वारा व्याप्त मात्रा में अपरिहार्य कमी को दर्शाया, जो पदार्थ के प्रारंभिक प्रसार के बावजूद, एक बिंदु पर एकत्रित होने की प्रवृत्ति को दर्शाता है।
- इसने जटिल गुरुत्वाकर्षण अंतःक्रियाओं की समझ को सरल बनाते हुए, घुमावदार स्पेसटाइम में नेविगेट करने वाले पदार्थ की मात्रा में परिवर्तन का वर्णन करने वाला एक संक्षिप्त और सुरुचिपूर्ण गणितीय सूत्र प्रदान किया।
- रोजर पेनरोज़ और स्टीफन हॉकिंग जैसे प्रख्यात भौतिकविदों द्वारा विकसित प्रमेयों का अभिन्न अंग, रायचौधरी समीकरण ने हॉकिंग के क्षेत्र प्रमेय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो ब्लैक होल के सतह क्षेत्र की स्थिरता को साबित करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समाचारों में स्थान

तुवालू

हाल ही में, ऑस्ट्रेलिया और तुवालु जलवायु परिवर्तन से प्रभावित तुवालु नागरिकों के लिए ऑस्ट्रेलिया में निवास प्रदान करने पर सहमत हुए।

तुवालु (राजधानी:फनाफुटी)

- तुवालु हवाई और ऑस्ट्रेलिया के बीच दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित है।
- **राजनीतिक सीमाएँ:** यह किरिबाती, नाउरू, सोलोमन द्वीप, वानुअतु, टोकेलाऊ, फिजी, समोआ, वालिस और फ़्यूचूना और टोंगा के साथ सीमा साझा करता है।

भौगोलिक विशेषताओं:

- इसमें तीन रीफ द्वीप और छह एटोल शामिल हैं।
- फ़नाफ़ुटी, सबसे बड़ा एटोल है ,जो एक केंद्रीय लैगून के आसपास विभिन्न टापूओं को शामिल करता है।

ऐतिहासिक महत्व:

- इसे शुरुआत में लगभग 3,000 साल पहले पॉलिनेशियनों द्वारा बसाया गया था, इससे पहली बार 1569 में स्पेनिश नाविक अल्वारो डी मेंडाना ने संपर्क किया था।
- बाद में, इसे ग्रेट ब्रिटेन द्वारा उपनिवेश बनाया गया और 1978 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

व्यक्तित्व में स्थान

शीतल महाजन

हाल ही में भारतीय स्काइडाइवर शीतल महाजन ने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी के सामने 21,500 फीट की ऊंचाई से हेलिकॉप्टर से छलांग लगाई।

शीतल महाजन (जन्म 19 सितंबर 1982):

- भारतीय स्काइडाइवर शीतल महाजन ने हेलीकॉप्टर से स्काइडाइविंग करके इतिहास रचा।
- वह ऐसा करने वाली पहली महिला बनीं।

उपलब्धियाँ:

- वह बिना किसी परीक्षण के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर छलांग लगाने वाली सबसे कम उम्र की महिला हैं।
- उन्होंने जनवरी 2022 तक 766 छलांगें पूरी कीं, जिसमें एक विंगसूट जंप और विभिन्न ऊंचाई व स्थानों में रिकॉर्ड तोड़ने वाली छलांगे शामिल हैं।
- यह छलांग दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के सामने लगाई, जिससे इस उपलब्धि में एक असाधारण आयाम जुड़ गया।

योगदान:

- वह पुणे में 2012 में स्थापित फीनिक्स स्काईडाइविंग अकादमी की संस्थापक हैं।
- यह अकादमी स्काइडाइविंग प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करती है और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करती है।

पुरस्कार:

- शीतल महाजन एक शानदार करियर वाली एक प्रसिद्ध भारतीय स्काइडाइवर हैं, जिनके नाम कई स्काइडाइविंग रिकॉर्ड हैं।
- इस क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देते हुए, उन्हें 2001 में भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

POINTS TO PONDER

- 1991 में किस देश ने APEC में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध किया था? **- भारत**
- लेजर कूलिंग और गैर-समान चुंबकीय क्षेत्र का उपयोग करके तटस्थ परमाणुओं को फंसाने के लिए परमाणु भौतिकी अनुसंधान में किस उपकरण का उपयोग किया जाता है? **- मैग्नेटो-ऑप्टिकल ट्रैप (एमओटी)**
- NASA-ISRO सिंथेटिक एपर्चर रडार (NISAR) कब लॉन्च होने वाला है? **- 2024 की पहली तिमाही**
- हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा जारी "बिल्डिंग पार्टनरशिप: इंडिया एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन फॉर मैरीटाइम सिक्योरिटी" नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं? **- कैप्टन हिमाद्रि दास**
- हाल ही में खबरों में रही इग्ला-एस किस प्रकार की प्रणाली है? **- मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (MANPADS)**